# སློབ་ཚན་བདུན་པ། གནམ་གཤིས་ཀྱི་སྐོར།
# Lesson 7 The Weather

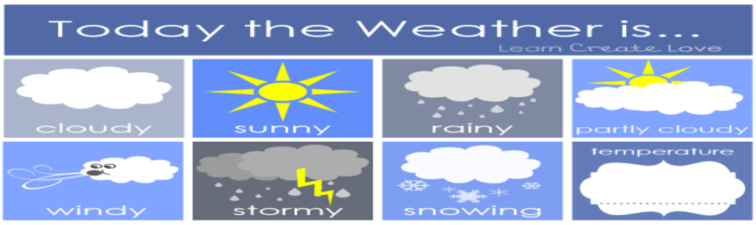


| **Objectives** |
|---|
| 1. You will be able to describe and ask about the general climate and seasons in different countries, converse about the current weather and your opinion about it.<br>2. You will be able to talk about actions happening at the moment of speech & your own and others' habits, applying the notions of direct/inferential knowledge, volition, agentive particle, etc.<br>3. You will be able to appoint present results of actions which have happened in the past. |

| **DID YOU KNOW THAT...?** |
|---|
| དབྱར་རྩྭ་དགུན་འབུ།<br>In the Himalayas and on the Tibetan plateau, there is a living being which is a sort of grass in the summer (དབྱར་རྩྭ་) and turns into a type of worm in the winter (དགུན་འབུ་).<br>This དབྱར་རྩྭ་དགུན་འབུ་ is considered a delicacy and is also used for medicinal purposes. It is *particularly* wanted and traded for good money due to the fact that it increases man-power. |

©2023 LRZTP

## གླེང་མོལ། Dialogue

**ཨི་ཤཱ།** པ་སངས་ལགས། ཉིན་གུང་བདེ་ལེགས། དེ་རིང་གནམ་གཤིས་གྲང་མོ་འདུག་ག

**པ་སངས།** ཨོ། འདུག གནམ་གཤིས་གྲང་མོ་ཞེ་དྲག་འདུག ཁྱེད་རང་འཁྱག་གི་མི་འདུག་གས།

**ཨི་ཤཱ།** ང་ཞེ་དྲག་འཁྱག་གི་འདུག

**པ་སངས།** ཁྱེད་རང་ཚོའི་ལུང་པ་ལ་དེང་སང་གནམ་གཤིས་གང་འདྲས་ཡོད་རེད།

**ཨི་ཤཱ།** ངའི་ལུང་པ་ལ་ད་ལྟ་སྟོན་ཀ་རེད། ང་སྟོན་ཀའི་གནམ་གཤིས་ལ་དགའ་པོ་ཞེ་དྲག་ཡོད།

**པ་སངས།** ག་རེ་བྱས་ནས།

**ཨི་ཤཱ།** ངའི་ལུང་པ་ལ་སྟོན་ཀའི་སྐབས་ལ་ཤིང་སྡོང་གི་ལོ་མའི་ཚོས་གཞི་འདྲ་མི་འདྲ་ཡོད་རེད། སེར་པོ་དང་དམར་པོ་ལ་སོགས་པ། ཨ་ནི་ཡུལ་ལྗོངས་སྙིང་རྗེ་པོ་ཞེ་དྲག་མཐོང་ཡག་ཡོད་རེད། ཨ་ནི་བོད་ཀྱི་གནམ་གཤིས་ངའི་ལུང་པའི་གནམ་གཤིས་དང་གཅིག་པ་རེད་པས།

**པ་སངས།** གཅིག་པ་འདྲ་པོ་ཡོད་རེད། ཡིན་ནའི་ཤིང་ནགས་མང་པོ་ཡོད་མ་རེད། བྱས་ཙང་ལོ་མའི་ཚོས་གཞི་འདྲ་མི་འདྲ་མང་པོ་ཡོད་མ་རེད། ཨ་ནི་ཁྱེད་རང་ཚོའི་ལུང་པ་ལ་གནམ་གཤིས་སྐྱིད་ཤོས་ག་དུས་རེད།

**ཨི་ཤཱ།** སྤྱིར་བཏང་དཔྱིད་ཀ་དང་དབྱར་ཀ་གཉིས་གནམ་གཤིས་སྐྱིད་ཤོས་རེད། གང་ཡིན་ཟེར་ན་དེ་དུས་དྲོད་སླེབས་ཀྱི་ཡོད་རེད་པ། དཔྱིད་ཀའི་སྐབས་ལ་ས་ཆ་ཚང་མ་ལྗང་ཁེང་ཁེང་ཆགས་ཀྱི་ཡོད་རེད། ཨ་ནི་པ་སངས་ལགས། ནམ་དུས་བཞི་ནང་ནས་ཁྱེད་རང་གི་དགའ་ཤོས་དེ་ག་རེ་རེད།

**པ་སངས།** དགུན་ཁ་དང་དཔྱིད་ཀ་རེད།

**ཨི་ཤཱ།** ག་རེ་བྱས་ནས་དེ་གཉིས་ཁྱེད་རང་གི་ནམ་དུས་དགའ་ཤོས་རེད།

**པ་སངས།** གང་ཡིན་ཟེར་ན་དགུན་ཁ་ལ་གངས་ནང་ལ་རྩེད་མོ་རྩེ་གི་ཡོད། ཨ་ནི་དཔྱིད་ཀ་ལ་མེ་ཏོག་མང་པོ་ཤར་གྱི་ཡོད་རེད།

**ཨི་ཤཱ།** ཨ་ལས། ཨ་ནི་ཁྱེད་རང་གི་ལུང་པ་ལ་ཆར་པ་མང་པོ་འབབ་ཀྱི་ཡོད་མ་རེད་པས།

**པ་སངས།** བོད་ལ་ཆར་པ་ཧ་རམ་ས་ལ་ནང་བཞིན་གཏོང་གི་ཡོད་མ་རེད།

**ཨི་ཤཱ།** ང་ཆར་དུས་ལ་དགའ་པོ་མེད། གང་ཡིན་ཟེར་ན་སླུག་པ་མང་པོ་འཁྲིགས་ཀྱི་ཡོད་རེད། ཨ་ནི་ང་སེམས་པ་སྐྱིད་པོ་མི་འདུག ཨ་ནི་ཁྱེད་རང་ཆར་དུས་སྐབས་ལ་ཉོབ་ཀྱི་མི་འདུག་གས།

**པ་སངས།** ཉོབ་ཀྱི་མི་འདུག ང་ཚ་བ་ཆེན་པོ་ཡོད་ན་ཉོབ་ཀྱི་འདུག

**ཨི་ཤཱ།** ཨ་ལས། ང་གནམ་གཤིས་ཚ་བ་ཆེན་པོ་ལ་དགའ་པོ་ཡོད། བྱས་ཙང་། ཚ་བ་ཆེན་པོ་ཡོད་དུས་ང་རྒྱ་མཚོའི་ནང་ལ་རྐྱལ་རྒྱག་གར་འགྲོ་གི་ཡོད།

©2023 LRZTP

## གནམ་གཤིས།
## Weather

### ཚིག་གསར་དང་གནས་ཚུལ་འཕར་མ་བཅས།
### Vocabulary with Supplementary Information

| **མིང་ཚིག** | **Nouns** |
|---|---|
| གནམ་གཤིས། | weather, climate |
| | **གནམ་** = sky; **གཤིས་** = character, mood, as in: **གཤིས་**ཀ་ = character of a person |
| ཁོར་ཡུག | environment |
| ནམ་དུས། | season |
| | **ནམ་** = when; **དུས་** = time, as in: **དུས་**ཚོད་ = time |
| ནམ་དུས་བཞི། | the four seasons |
| | as in the Tibetan song: **ནམ་དུས་བཞི་** = *The Four Seasons* |
| དབྱར་ཀ། | summer |
| སྟོན་ཀ། | fall, autumn |
| | **སྟོན་** = to show, to take out, as in: **སྟོན་**པ་སངས་རྒྱས་ = the teacher, the Buddha |
| དགུན་ཁ། | winter |
| དཔྱིད་ཀ། | spring |
| ཤར། | east (syn: ཤར་ངོས་ / ཤར་ཕྱོགས་) |
| | **ཤར་** = to rise, as in: ཉི་མ་**ཤར་** = sunrise; མེ་ཏོག་ཤར་ = flowers bloom |
| ལྷོ། | south |
| ནུབ། | west |
| | **ནུབ་** = to set, to go down, as in: ཉི་མ་**ནུབ་** = sunset |

©2023 LRZTP

| | |
|---|---|
| བྱང་། | north<br>**བྱང་** = north, as in: **བྱང་**ཐང་ = northern plain |
| ཞོགས་གས། | morning, also spelled: ཞོགས་ཀས་ (syn: ཞོགས་པ་)<br>as in: **ཞོགས་པ་**བདེ་ལེགས་ = Good morning! |
| ཉིན་གུང་རྒྱབ། | afternoon<br>**ཉིན་གུང་** = noon; **རྒྱབ་** = behind, after, as in: **ཉིན་གུང་**བདེ་ལེགས་ = Good afternoon! |
| དགོང་མོ། | evening (syn: དགོང་དག་)<br>as in: **དགོང་མོ་**བདེ་ལེགས་ = Good evening! |
| མཚན་མོ། | night (syn: མཚན་)<br>as in: ཉིན་མཚན་ = day (and) night |
| ནམ་མཁའ། | sky, space<br>as in the Tibetan name: བསྟན་འཛིན་ནམ་མཁའ་ = Tenzin Namkha |
| ཚ་གྲང་། | temperature<br>**ཚ་**(པོ་) = hot, **གྲང་**(མོ་) = cold |
| ཚ་བ་ | heat<br>**ཚ་** = **ཚ་**པོ་ = hot |
| དྲོད། | warmth, heat |
| ལྷགས་པ། | breeze, wind<br>NOT to be confused with ལྷག་པ་ = supreme, superior, as in: **ལྷག་པའི་** བསླབ་པ་གསུམ་ = the three superior trainings [of discipline, meditative concentration and insight] |
| ལོ་མ། | leave (of a plant)<br>**ལོ་** = petal |
| ཚོས་གཞི། | color (syn: ཚོན་མདོག) |
| ཆར་དུས། | rainy season<br>**ཆར་** = rain; **དུས་** = time |
| ས་ཆ། | place<br>**ས་** as in: ལྷ་**ས་** = Lhasa |
| **བྱ་ཚིག** | **Verbs** |
| འཁྱག་པ། | to feel cold, to freeze (ཐ་མི་དད་པ།)<br>as in: **འཁྱགས་**པ་ = ice |

| | |
|---|---|
| ཉི་མ་ཤར་བ། | to shine, sunshine (syn: ཉི་མ་སྟོན་པ་) (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**ཉི་མ་** = sun, as in: གཟའ་**ཉི་མ་** = Sunday; **ཤར་** = to rise, the east |
| ཉི་མ་ནུབ་པ། | to set, sunset (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**ཉི་མ་** = sun, **ནུབ་** = to go down, to set, the west |
| ས་རུབ་པ། | to get dark (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**ས་** = earth, place |
| གངས་འབབ་པ། | to snow, snowfall (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**གངས་** = snow, as in: **གངས་**རི་ = snow mountain; **འབབ་** = to fall, as in: **འབབ་**ཆུ་ waterfall |
| ཆར་པ་འབབ་པ། | to rain (syn: ཆར་པ་གཏོང་བ་ / རྒྱག་པ་) (མི་དད་པ།)<br>**ཆར་** = rain, as in: **ཆར་**དུས་ = rainy season; **ཆར་**གདུགས་ = umbrella; **འབབ་** = to fall, as in: **འབབ་**ཆུ་ = waterfall |
| སེར་ར་གཏོང་བ། | to hail (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**སེར་ར་** = hail; **གཏོང་བ་** = (lit.) to send – used here and elsewhere as a verbalizer. For example: ཁ་པར་གཏོང་བ་ = to make a phone call; སྐྱིད་པོ་ གཏོང་བ་ = to enjoy oneself |
| རླུང་(པོ་)རྒྱག་པ། | to be windy, to blow (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**རླུང་** = wind, as in **རླུང་**རྟ་ = wind horse; **རྒྱག་** = to do |
| སྤྲིན་པ་འཁྲིགས་པ། | to be cloudy (syn: སྤྲིན་པ་འཁོར་བ་) (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**སྤྲིན་པ་** = cloud; **འཁྲིགས་པ་** = to stick together |
| སྨུག་པ་འཁོར་བ། | to be foggy, misty (syn: སྨུག་པ་འཐིབ་པ་ or: འཁྲིགས་པ་) (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**སྨུག་པ་** = fog, mist; **འཁོར་བ་** = to spin, rotate |
| ཚ་བ་འཚིག་པ། | to feel hot, to be hot (syn: ཚ་བ་) (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**ཚ་བ་** = heat, as in: **ཚ་བ་**ཆེན་པོ་ = hot (weather); **འཚིག་པ་** = to burn, be burned, as in: **འཚིག་**ཇ་ = coffee |
| གྲང་བ། | to feel cold, to be cold (ཐ་མི་དད་པ།)<br>as in: **གྲང་**མོ་ = cold |
| སྲུང་སྐྱོབ་བྱེད་པ། | to protect, to guard, to save (ཐ་དད་པ།)<br>**སྲུང་** = to guard, protect, as in: **སྲུང་**མ་ = protector deities; **སྐྱོབ་** = to protect, as in: **སྐྱབས་**འགྲོ་ = going for refuge |
| ཉོབ་པ། | to dislike, to feel bored, to be upset about (ཐ་མི་དད་པ།)<br>as in: **ཉོབ་**ཏོ་ = boring |
| གྱོན་པ། | to wear, to have on, to put on (clothing), also spelled: གོན་པ་ (ཐ་དད་པ།)<br>as in: **གྱོན་**ཆས་ = clothing |

©2023 LRZTP

| | |
|---|---|
| འབྲུག་སྐད་རྒྱག་པ། | to thunder (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**འབྲུག་སྐད་** = voice of the dragon; **རྒྱག་པ་** = to do |
| གློག་འཁྱུག་པ། | a flash of lightning to happen (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**གློག་** = light, as in: **གློག་**ཀླད་ = computer |
| ས་ཡོམ་རྒྱག་པ། | an earthquake to happen (ཐ་མི་དད་པ།)<br>**ས་** = earth; **ཡོམ་** = to shake, swing; **རྒྱག་པ་** = to do |

| | |
|---|---|
| **རྒྱན་ཚིག** | **Adjectives** |
| ཚ་གྲང་སྙོམས་པོ། | comfortable temperature, balanced temperature<br>**ཚ་གྲང་** = temperature; **སྙོམས་** = balanced, as in: བཏང་**སྙོམས་** = equanimity, one of the Four Immeasurables: ཚད་མེད་བཞི་ |
| ཚ་པོ། | hot |
| གྲང་མོ། | cold |
| བསིལ་པོ། | fresh, pleasantly cold, chilly |
| སྡུག་ཚགས། | ugly, bad, not good, also spelled: སྡུག་ཅག<br>**སྡུག** as in: **སྡུག་**བསྔལ་ = suffering |
| ལྗང་ཐིང་ཐིང་། | bright green<br>**ལྗང་**ཁུ་ = green |
| ཚ་བ་ཆེན་པོ། | hot, great heat<br>**ཚ་བ་** = heat; **ཆེན་པོ་** = great, big |
| ཤུགས་ཆེན་པོ། | strong, strongly, heavily (e.g. rain)<br>**ཤུགས་** = strength; **ཆེན་པོ་** = great, big |
| **འདྲ་མིན་སྣ་ཚོགས།** | **Miscellaneous:** |
| དེ་རིང་། | today |
| ད་ལྟ། | now, at the moment |
| སྤྱིར་བཏང་། | in general, generally<br>**སྤྱི་** = general, as in: **སྤྱི་**ཚོགས་ = society |
| ནམ་རྒྱུན། | usually, usual, commonly<br>**རྒྱུན་** = stream, continuation |
| ཉིན་མ་རྟག་པར། | every day, daily<br>**ཉི་མ་** = day; **རྟག་པར་** = every |

©2023 LRZTP

| | |
|---|---|
| ···རྟག་པར། | always, every… |
| | as in: མི་**རྟག་པ་** = impermanence |
| འདྲ་མི་འདྲ། | all kinds of, different types of, various kinds of |
| | **འདྲ་** = to be similar, as in: **འདྲ་**པོ་ = similar; **མི་** = negation |
| དེས་ཙང་། | therefore, for this reason |
| དགའ་ཤོས། | favorite |
| | **དགའ་** = to like, love; **ཤོས་** = superlative syllable |
| ནང་བཞིན། | like, as, just as |
| ཁག་ཁག | different, separate |
| དེ་དུས། | that time, in that moment |
| | **དེ་** = that; **དུས་** = time |
| ཡང་། | also, as well |
| | as in: **ཡང་**འཇུག་ = second suffix |

## ཚིག་སྦྱར་གྱི་དཔེར་བརྗོད་དང་བཅས་པ།
## With Example Sentences

གནམ་གཤིས། = weather, climate
དེ་རིང་གནམ་གཤིས་ཡག་པོ་འདུག – The weather is nice today.

ཁོར་ཡུག = environment
འདི་ལ་**ཁོར་ཡུག**་གཙང་མ་འདུག – The environment is clean here.

ནམ་དུས། = season
**ལོ་གཅིག་ལ་ནམ་དུས་**བཞི་ཡོད་རེད། – There are four seasons a year.

ནམ་དུས་བཞི། = the four seasons
**ནམ་དུས་བཞི་**ནི་དགུན་ཁ་དང་། དཔྱིད་ཀ་དབྱར་ཀ་སྟོན་ཀ་བཞི་དེ་རེད། – The four seasons are winter, spring, summer and fall.

དབྱར་ཀ། = summer
**ཛ་རམ་ས་ལ་དབྱར་ཀ་**ལ་ཆར་པ་མང་པོ་འབབ་ཀྱི་རེད། – In Dharamsala it rains a lot in the summer.

སྟོན་ཀ།  = fall, autumn
**སྟོན་ཀ་**ལ་ཤིང་སྡོང་གི་ལོ་མ་མར་ཟག་གི་རེད། – In the fall, the leaves fall from the trees.

དགུན་ཁ། = winter
**དགུན་ཁ**འི་སྐབས་ལ་གནམ་གཤིས་གྲང་མོ་ཡོད་རེད། – It is cold in winter.

དཔྱིད་ཀ། = spring
**དཔྱིད་ཀ་**ལ་སྤང་གི་སྟེང་ལ་མེ་ཏོག་ཤར་གྱི་རེད། – Flowers blossom in the summer on the meadow.

©2023 LRZTP

ཤར། = east

ཉི་མ་**ཤར་**ནས་ཤར་གྱི་རེད། – From the east, the sun rises.

ལྷོ། = south

རྒྱ་གར་**ལྷོ་**ཕྱོགས་ལ་ཚ་བ་ཆེན་པོ་ཡོད་རེད། – It is very hot, great heat in South India. (lit. heat hot)

ནུབ། = west

ཉི་མ་**ནུབ་**ལ་ནུབ་གྱི་རེད། – The sun sets in the west.

བྱང་། = north

བོད་རྒྱ་གར་གྱི་**བྱང་ཕྱོགས་**ལ་ཡོད་རེད། – Tibet is north (of) India.

ཞོགས་གས། = morning

**ང་ཞོགས་གས་**སྔ་པོ་ལངས་ཀྱི་ཡོད། – I get up early in the morning.

ཉིན་གུང་རྒྱབ་ལ། = in the afternoon

**ངའི་**རྨོ་རྨོ་ལགས་**ཉིན་གུང་རྒྱབ་ལ་**ངལ་གསོ་རྒྱག་གི་ཡོད་རེད། – In the afternoon my grandmother takes rest.

དགོང་མོ། = evening

**དགོང་མོ་གནམ་ནས་**ཟླ་བ་ཤར་གྱི་རེད། – In the evening the moon rises in the sky.

མཚན་མོ། = night

**མི་ཚང་མ་མཚན་(མོ་)ལ་**གཉིད་ཁུག་་གྱི་རེད། – Everybody sleeps at night.

ནམ་མཁའ། = sky, space

**དེ་རིང་ནམ་མཁའ་**ལ་སྤྲིན་པ་མང་པོ་འཁྲིགས་བཞག – Today there are a lot of clouds in the sky.

ཚ་གྲང་། = temperature

དེང་སང་གནམ་གཤིས་**ཚ་གྲང་**དག་དག་འདུག – These days the (weather) temperature is just right.

ཚ་བ། = heat

དབྱར་ཁ་**ཚ་བ་**ཆེན་པོ་ཡོད་རེད། – There is great heat in the summer.

དྲོད། = warmth, heat

དཔྱིད་ཀ་ལ་**དྲོད་**ཏོག་ཙམ་སླེབས་ཀྱི་རེད། – In spring, a little warmth comes.

ལྷགས་པ། = breeze, wind

ཕྱི་ལོགས་ལ་ལྷགས་པ་ཆེན་པོ་རྒྱག་གི་འདུག – It is very windy outside.

ལོ་མ། = leaf

སྟོན་ཀ་ཤིང་སྡོང་གི་**ལོ་མ་**ཚང་མ་སེར་པོ་དང་དམར་པོ་ཆགས་ཀྱི་རེད། – In autumn, all the tree leaves become yellow and red.

ཚོས་གཞི།= color

མེ་ཏོག་གི་ལོ་མའི་**ཚོས་གཞི་**འདྲ་མི་འདྲ་ཡོད་རེད།  བྱས་ཙང་དེ་ཚོ་སྙིང་རྗེ་པོ་ཞེ་དྲག་མཐོང་གི་ཡོད་རེད། – The flower leaves are various colors. Therefore, they appear very beautiful.

©2023 LRZTP

ཆར་དུས། = rainy season

ཁྱེད་རང་**ཆར་དུས་སྐབས་**ལ་ཧྥོབ་ཀྱི་འདུག་གས། – Do you dislike the rainy season?

ས་ཆ། = place

ང་**ས་ཆ་འདྲ་མི་འདྲ་**མང་པོ་ལ་འགྲོ་ཡག་ལ་དགའ་པོ་ཡོད། – I like to go to many different places.

མཁའ་རླུང་། = air, atmosphere

གྲོང་ཁྱེར་ནང་ལ་**མཁའ་རླུང་**གཙང་མ་ཡོད་མ་རེད། – In the city, the air is not clean.

འཁྱག་པ། = to feel cold, to freeze (ཐ་མི་དད་པ།)

ང་ཞེ་དྲག་**འཁྱག་**གི་འདུག – I'm really freezing.

ཉི་མ་ཤར་བ། = to shine, sunshine (ཐ་མི་དད་པ།)

ཞོགས་གས་ཉི་མ་**ཤར་**གྱི་རེད། – The sun rises in the morning.

ཉི་མ་ནུབ་པ། = to set, sunset (ཐ་མི་དད་པ།)

དེང་སང་དགོང་དག་ཉི་མ་སྔ་པོ་ནུབ་ཀྱི་འདུག – These days the sun sets / goes down early in the evening.

ས་རུབ་པ། = to get dark (ཐ་མི་དད་པ།)

ས་རུབ་ན་ལམ་ཁ་ཡག་པོ་མཐོང་གི་མ་རེད། – If it gets dark, one does not see the road well.

གངས་འབབ་པ། = to snow, snowfall (ཐ་མི་དད་པ།)

བོད་ལ་**གངས་**མང་པོ་**འབབ་**ཀྱི་རེད། – It snows a lot in Tibet.

ཆར་པ་འབབ་པ། = to rain (ཐ་མི་དད་པ།)

**ཆར་པ་**མང་པོ་**བབས་**ན་ཡག་པོ་མི་འདུག་གས། – Is it good if it rains a lot?

སེར་ར་གཏོང་བ། = to hail (ཐ་མི་དད་པ།)

**སེར་ར་བཏང་**ན་སྟོན་ཐོག་ལ་གནོད་ཀྱི་རེད། – If it hails, then it harms the harvest.

རླུང་རྒྱག་པ། = to be windy, to blow (ཐ་མི་དད་པ།)

**རླུང་ཤུགས་ཆེན་པོ་ཞིག་བརྒྱབ་**ནས་ཤིང་སྡོང་དེ་མར་ཆག་སོང་། – Because a strong wind blew, the tree fell down. (lit. broke)

སྲུང་སྐྱོབ་བྱེད་པ། = To protect, to guard, to save (ཐ་དད་པ།)

ཁོར་ཡུག་**སྲུང་སྐྱོབ་བྱེད་**ཡག་དེ་གལ་ཆེན་པོ་ཞེ་དྲག་རེད། – It is very important to protect the environment.

སྤྲིན་པ་འཁྲིགས་པ། = to be cloudy (ཐ་མི་དད་པ།)

དེ་རིང་གནམ་ལ་**སྤྲིན་པ་**མང་པོ་**འཁྲིགས་**འདུག –Today it is very cloudy.

སྨུག་པ་འཐིབ་པ། = to be foggy, to be misty (ཐ་མི་དད་པ།)

**ཇ་རམས་ས་ལར་དབྱར་ཁ་སྨུག་པ་**མང་པོ་**འཐིབ་**ཀྱི་རེད། – In Dharamsala it is very foggy in the summer.

ཚ་བ་འཚོག་པ། = to feel hot, to be hot (syn: ཚ་བ་) (ཐ་མི་དད་པ།)

ཁྱེད་རང་**ཚ་བ་འཚོག་**གི་མི་འདུག་གས། – Aren’t you feeling hot?

©2023 LRZTP

འཁྱག་པ། = to feel cold, to be cold (ཐ་མི་དད་པ།)
ཁྱེད་རང་**འཁྱག**་གི་མི་འདུག་གས། – Aren’t you feeling cold?

ཉོབ་པ། = to get upset, to feel bored (ཐ་མི་དད་པ།)
ཁྱེད་རང་གནམ་གཤིས་གྲང་མོ་ཆགས་དུས་**ཉོབ**་ཀྱི་མི་འདུག་ག། – You do not get upset about the weather when it is cold, do you?

གོན་པ/གྱོན་པ། = to wear, to have on, to put on (ཐ་དད་པ།)
ཁྱེད་རང་ཁྱག་ན་དུག་སློག་མང་པོ་**གོན་(གྱོན་)**དགོས་རེད། – If you get cold then you have to put on lots of clothes.

འབྲུག་སྐད་རྒྱག་པ། = to thunder (ཐ་མི་དད་པ།)
**མི་ཁ་ཤས་འབྲུག་སྐད་བརྒྱབ་**དུས་ཞེ་དྲགས་ཞེད་ཀྱི་རེད། – When it thunders, some people are very frightened.

གློག་འཁྱུག་པ། = to lighten (ཐ་མི་དད་པ།)
ད་ལྟ་གནམ་ལ་**གློག་འཁྱུག**་གི་འདུག – Now there is a lightning in the sky.

ས་ཡོམ་རྒྱག་པ། = an earthquake to happen (ཐ་མི་དད་པ།)
ལོ་ཁ་ཤས་ཀྱི་སྔོན་ལ་བལ་ཡུལ་ལ་**ས་ཡོམ**་ཆེན་པོ་ཅིག་**བརྒྱབ**་པ་རེད། – Some years ago, there was a big earthquake in Nepal.

ཚ་གྲང་སྙོམས་པོ། = comfortable temperature, just right temperature, balanced temperature
རྡ་རམ་ས་ལ་གནམ་གཤིས་**ཚ་གྲང་སྙོམས་པོ**་ཡོད་རེད། – In Dharamsala, the temperature is balanced.

ཚ་པོ། = hot
ཆུ་**ཚ་པོ**་མང་པོ་འཐུངས་ན་གྲོད་ཁོག་ལ་ཕན་གྱི་རེད། – It is good for the stomach if one drinks a lot of hot water.

གྲང་མོ། = cold
ལུང་པ་ཁ་ཤས་ལ་དགུན་ཁ་གནམ་གཤིས་**གྲང་མོ**་ཞེ་དྲགས་ཡོད་རེད། – In the winter, the weather is very cold in some countries.

བསིལ་པོ། = fresh, pleasantly cold, chilly
**གནམ་གཤིས་བསིལ་པོ**་ཆགས་ན་སྐྱིད་པོ་ཡོད་རེད། – When it is cool, then it is pleasant.

སྐྱིད་པོ། = nice, pleasant, comfortable
དེ་རེས་ཀྱི་གཟའ་མཇུག་འདི་**སྐྱིད་པོ**་བྱུང་། – This weekend was fun.

སྡུག་ཅག = bad, not good
གནམ་གཤིས་**སྡུག་ཅག**་བསྟན་དུས་ང་ཕྱི་ལོགས་ལ་འཆམ་འཆམ་འགྲོ་གི་མེད། – When the weather has become bad, I do not go out for a walk.

ལྗང་ཐིང་ཐིང་། = bright green
བོད་ལ་དབྱར་ཁ་སྤང་ཚང་མ་**ལྗང་ཐིང་ཐིང་**ཆགས་ཀྱི་རེད། – In Tibet all the meadows turn bright green in the summer.

©2023 LRZTP

ཚ་བ་ཆེན་པོ། = hot, lots of heat

སྤྱི་ཟླ་༦/༧ པའི་ནང་ལྡི་ལི་ལ་**ཚ་བ་ཆེན་པོ་**ཡོད་རེད། – In June and July it is terribly hot in Delhi.

ཤུགས་ཆེན་པོ། = strong, strongly, heavily (e.g. rain)

ཨ་མ་མ། གཟིགས་དང་ད་ཆར་པ་གང་འདྲས་**ཤུགས་ཆེན་པོ་**བཏང་གི་འདུག – Oh my dear! Look how hard it is raining now!

དེང་སང་། = these days

**དེང་སང་མོ་ལ་སྒང་ཛི་ལ་**གངས་འབབ་ཀྱི་ཡོད་མ་རེད། – These days, it does not snow in McLeod Ganj.

ད་ལྟ། = now, at the moment

**ད་ལྟ་**ཉི་མ་ཡག་པོ་སྟོན་གྱི་འདུག – Now, the sun is shining nicely.

སྤྱིར་བཏང་། = in general, generally

ངའི་ལུང་པ་ལ་**སྤྱིར་བཏང་**སྟོན་ཀ་སྨུག་པ་མང་པོ་འཁོར་གྱི་ཡོད་རེད། – Generally, in fall in my country, it is often foggy.

ནམ་རྒྱུན། = usually, usual, commonly

**ནམ་རྒྱུན་**ཞོགས་ཀས་ང་ཆུ་ཚོད་དྲུག་པ་ལ་ཡར་ལངས་ཀྱི་ཡོད། – Usually, I get up at six in the morning.

ཉི་མ་རྟག་པར། = every day, daily

ང་**ཉི་མ་རྟག་པར་གླིང་**སྐོར་གཅིག་རྒྱག་གི་ཡོད། – I do one *lingkor (big circumambulation)* every day.

…རྟག་པར། = always, every…

ང་ལོ་**རྟག་པར་**ང་རང་གི་ལུང་པ་ལ་ལོག་འགྲོ་གི་ཡོད། – I return to my country every year.

འདྲ་མི་འདྲ། = all kinds of, different types of, various kinds of

དཔྱིད་ཀ་མེ་ཏོག་**འདྲ་མི་འདྲ་**མང་པོ་ཤར་གྱི་ཡོད་རེད། – In spring a lot of different types of flowers blossom.

བྱས་ཙང་། = therefore, for this reason

དེ་རིང་ཚ་བ་ཆེན་པོ་འདུག **བྱས་ཙང་**ང་ཚོ་ཚང་མ་རྐྱལ་རྒྱག་གར་འགྲོ་གི་ཡིན། – Today it is very hot. Therefore we will all go swimming.

དགའ་ཤོས། = favorite

ཁྱེད་རང་གི་ཁ་ལག་**དགའ་ཤོས་**ག་རེ་རེད། – What is your favorite food?

ནང་བཞིན། = like, as, just as

ངའི་ལུང་པ་ལ་བོད་**ནང་བཞིན་**གངས་མང་པོ་འབབ་ཀྱི་ཡོད་མ་རེད། – In my country, it does not snow as much as in Tibet.

ཁག་ཁག = different, separate

རྒྱ་གར་དང་ངའི་ལུང་པའི་གནམ་གཤིས་ཐད་དེ་**ཁག་ཁག་**རེད། – India’s and my country’s weather are totally different.

©2023 LRZTP

དེ་དུས། = that time, in that moment

ལོ་ཁ་ཤས་སྔོན་ལ་ང་རྒྱ་གར་ལྷོ་ཕྱོགས་ལ་གཅིག་ཕྱིན་པ་ཡིན། **དེ་དུས་**གནམ་གཤིས་སྐྱིད་པོ་ཞེ་དྲག་ཡོད་རེད། – A couple of years ago I visited South India. That time, the weather was extremely nice.

ཡང་། = also, as well

ང་**ཡང་**ཁྱེད་རང་ཚོ་མཉམ་དུ་གླིང་ག་བཏང་གར་འགྲོ་གི་ཡིན། – I am also going to have a picnic with you.

མང་ཆེ་བ། = most, majority, most part

མི་**མང་ཆེ་བ་**མེ་ཏོག་ལ་དགའ་པོ་ཞེ་དྲག་ཡོད་རེད། – Most people like flowers a lot.

**ཉེར་མཁོའི་ཚིག་གྲུབ། Phrasebook**

ཁྱེད་རང་གི་ལུང་པ་ལ་གནམ་གཤིས་གང་འདྲས་ཡོད་རེད།
How is the weather in your country?

ཨ་མ་མ། དེ་རིང་ཉི་མ་ཚ་པོ་འདུག་ག Oh my dear! It is very hot today, isn’t it?

ད་ལྟ་དགུན་ཁ་ཡིན་ཙང་བོད་ལ་གནམ་གཤིས་དཔེ་མི་སྲིད་པའི་གྲང་མོ་ཡོད་རེད།
Because now is winter, it is unbelievably cold in Tibet.

གནམ་གཤིས་ཁྱེད་རང་གི་ལུང་པ་ལས་བོད་ལ་ཐད་དེ་གྲང་བ་ཡོད་རེད།
In Tibet, it is much colder than in your country.

ངའི་ལུང་པ་ལ་ཧྲ་རམ་ས་ལ་ནང་བཞིན་ཆར་པ་མང་པོ་འབབ་ཀྱི་ཡོད་མ་རེད།
It does not rain as much as in Dharamsala in my country.

མི་མང་པོ་དགུན་ཁ་གངས་ནང་ལ་གངས་རྩེད་རྩེ་ཡག་ལ་དགའ་པོ་བྱེད་ཀྱི་རེད།
Many people love playing in the snow during the winter.

ང་གངས་རྩེད་རྩེ་ཡག་ལ་དགའ་པོ་ཞེ་དྲག་ཡོད།
I love playing in the snow!

དབྱར་ཁ་ང་རྒྱ་མཚོ་ནང་ལ་རྐྱལ་རྒྱག་གར་འགྲོ་གི་ཡོད།
In the summer, I go to swim in the ocean.

ཁྱེད་རང་(ཉི་གདུགས་/ཆར་གདུགས)་འཁྱེར་མེད་པས། ངས་དེ་རིང་ཆར་གདུགས་འཁྱེར་ཡག་དྲན་པ་བརྗེད་སོང་།
Didn't you bring an umbrella (against sun or rain)? Today I forgot to bring an umbrella.

བོད་ལ་གནམ་གཤིས་འདི་འདྲས..................ཡོད་མ་རེད།
In Tibet the weather is not that ................. .

ནམ་དུས་བཞིའི་ནང་ནས་ཁྱེད་རང་གི་ནམ་དུས་དགའ་ཤོས་དེ་ག་རེ་རེད། ངའི་ནམ་དུས་དགའ་ཤོས་དེ་དཔྱིད་ཀ་རེད།
Among the four seasons, which one is your favorite? My favorite season is spring.

©2023 LRZTP

©2023 LRZTP

## དུས་ད་ལྟ་བ། PRESENT TENSE

### Notions

As mentioned in the previous lesson, there are two present tenses, present tense and present perfect tense. Both of them will be elaborated on in this lesson. As also explained in Lesson 6, one needs to be aware of two particular features of any verb in Tibetan which are not distinguished in English. This is also the case in present tense.

a) When stating something about oneself, one needs to distinguish whether or not the action is **volitional.**

b) When talking about someone else, there is a difference between **direct and inferential knowledge.**

The following is a list of the **present tense auxiliaries** which allow you to unambiguously express these notions.

### The Auxiliaries

<table>
<tr><th>བདག།</th><th>གཞན།</th></tr>
<tr><td rowspan="2">གི་ཡོད།<br>གི་མེད།</td><td>Inferential<br>གི་ཡོད་རེད།<br>གི་ཡོད་མ་རེད།</td></tr>
<tr><td>Direct<br>གི་འདུག<br>གི་མི་འདུག</td></tr>
</table>

I'm sure the above auxiliaries look familiar. They are simply "to be" (in its existential mode) or "to have", and their notions are the same.

### Two Usages

There are two major usages of the present tense auxiliary:

a) To express an action which is happening right now. "Right now" can refer to the very moment of speech as well as to a longer period of time, such as a semester, a year, etc. For example:

ང་བོད་སྐད་སྦྱོང་གི་ཡོད། "I'm studying/I study Tibetan"

©2023 LRZTP

can mean "right now", or "during these current months", etc.

b) To express a habitual action, a general truth, or a statement which has no limitations of time.

For logical reasons, the direct mode auxiliary (གི་འདུག) is used more often with the first and the inferential one (གི་ཡོད་རེད།) with the second usage.

### Adverbs of Time

Either the context will tell which of the two applies or there is an adverb of time, such as ནམ་རྒྱུན་ (*usually*) and སྤྱིར་བཏང་ (*in general*) or ད་ལྟ་ (*now*) which unmistakably indicates them. There are also sentences where both interpretations are possible, for example when saying དེང་སང་ (*these days*). The word མང་པོ་ (*a lot, much, often*), which is placed right before the verb, is also a good indication for the habitual use of present tense.

### Present Continuous

There is an alternative way to express present tense (mostly translated as present continuous) which will be introduced in the box below – for your later reference.

### Additional Information

As explained earlier, present tense is used to either talk about a general truth or a presently ongoing action.

#### Use བཞུད་ instead of ཀྱི་

There is an alternative and very common way to express the latter. For example, instead of asking:

ཁྱེད་རང་ད་ལྟ་ག་རེ་**བྱེད་ཀྱི་ཡོད།** = What are you doing at the moment?
ཁྱེད་རང་ད་ལྟ་ག་རེ་**བྱེད་བཞུད་ཡོད།** = What are you doing at the moment?

And your answer - following the logic - would be:

ང་ད་ལྟ་སློབ་སྦྱོང་**བྱེད་བཞུད་ཡོད།** = At the moment, I'm studying.

#### Profound Reason

The grammatical explanation of why we use བཞུད་, which is a verb by itself, and why it replaces the ཀྱི་, which is part of the auxiliary, is very sound and profound. But I'm afraid now is not yet the moment for this to be revealed…

©2023 LRZTP

©2023 LRZTP

**Practically Speaking**

So, all you need to know: Replace the ཀྱི་ by a བསྡད་ and talk about ongoing actions of both oneself and others. It is probably safe to say that using བསྡད་ makes the ongoing action even more explicit.

...And remember: The ཞེ་ས་ of བསྡད་པ་ is བཞུགས་པ་…

**Some More Examples**

- ང་ཚོ་ཚང་མ་ནང་ལ་བསྡད་བསྡད་ཡོད། = We are all staying at home.
- ཁྱེད་རང་ད་ལྟ་ག་རེ་གནང་བསྡད་ཡོད། = What are you doing now?
- ཁོང་ཚོས་དེང་སང་མཆོད་རྟེན་གསར་པ་ཅིག་བཞེངས་བསྡད་འདུག = These days they are building a new stupa.
- ཕྱི་ཡོགས་ལ་ཆར་པ་ཤུགས་ཆེན་པོ་ཅིག་བཏང་བསྡད་འདུག = Outside it is raining hard.
- ད་ལྟ་བློ་བཟང་པར་ཅིག་བརྒྱབ་བསྡད་འདུག = Now Lobsang is taking a picture.
- ངའི་འཛིན་གྲྭ་གཅིག་པ་དེ་ཚོ་སྐད་ཆ་བཤད་བསྡད་འདུག = My classmates are chatting.
- རྒན་ལགས་ཕྱག་དེབ་ཅིག་གཟིགས་བཞུགས་འདུག = The teacher is reading a book (H).

It cannot be said to be a fixed rule, but in terms of English translation, for an action happening right now, present continuous is often used.

ཁོང་ད་ལྟ་ནང་ལས་བྱེད་**ཀྱི་འདུག**
(S)he is doing housework now.

As opposed to:

ཁོང་རྟག་པར་ནང་ལས་མང་པོ་བྱེད་**ཀྱི་ཡོད་རེད།**
(S)he always does a lot of housework.

As a very general rule, it is safe to say that probably more often than not, present tense is used for habitual actions rather than something happening right now.

ཁྱེད་རང་ཤ་ཟ་**གི་ཡོད་པས།**
This sentence can mean two different things:
Are you eating meat? Or: Do you eat meat?

©2023 LRZTP

ཡོད། – which in other contexts means "to have," "to possess," etc. – can assist in illustrating this point. One can read this sentence as either: "Do you have (at this time) the action of eating meat?" or "Do you have the (general) habit of eating meat?"

Since the question would not be necessary if the speaker sits in that moment with the person asked, it is more likely that it means "Do you (usually) eat meat?"

**Examples with Explanations**

In order to be able to actively use present tense, you just need to apply the same logic and systems as seen in the context of the past tense.

> དེང་སང་ང་དྲ་རྒྱ་མང་པོ་སྤྱོག་**གི་མེད།** ཡིན་ནའི་ལྟད་མོ་མང་པོ་ལྟ་**གི་ཡོད།**
> These days, I do not surf the internet much. But I watch a lot of movies.

The auxiliaries གི་ཡོད། གི་མེད། which pertain to བདག express that the action is done with intention.

> ཁྱེད་རང་གློག་བརྙན་ཁང་ལ་མང་པོ་འགྲོ་**གི་ཡོད་པས།**
> Do you go to the cinema often?

The auxiliary གི་ཡོད་པས། again shows volition and also turns it into a question.

> ཁོང་ཚོ་ད་ལྟ་ངལ་གསོ་རྒྱག་**གི་འདུག་གས།**[1]
> Are they taking rest now?

The auxiliary གི་འདུག་གས།, apart from making it into a question, also expresses that the person who is asking assumes that the person asked has a direct knowledge of the answer:

> ལགས་མི་འདུག ཁོང་ཚོ་ད་ལྟ་ཕྱག་འཚལ་**གྱི་འདུག**
> No, they are prostrating at the moment.

The auxiliary གྱི་འདུག expresses that the speaker has direct experience of the information.

> ཁོང་ཚོ་གཟའ་མཇུག་ལ་གླིང་ཀ་གཏོང་**གི་ཡོད་རེད་པས།**
> Do they have picnic in the weekend(s)?

The auxiliary གི་ཡོད་རེད་པས། can have two interpretations here, but as mentioned before, it is more likely to mean "Do they "usually" have picnic in the weekends?"

[1] Most people would say: བརྒྱབ་ཀྱི་འདུག་གས།

©2023 LRZTP

ལགས་ཡོད་མ་རེད། ཁོང་ཚོ་གླིང་ག་མང་པོ་གཏོང་**གི་ཡོད་མ་རེད།** ཡིན་ནའི་ཁོང་ཚོ་རི་མང་པོ་འཛེག་གར་འགྲོ་**གི་ཡོད་རེད།**
No, they do not have picnic often, but they do a lot of hiking.

The auxiliary གི་ཡོད་(མ་)རེད། clearly expresses habit together with the adverb མང་པོ་.

ང་ཁྱེད་རང་གི་སྐད་ཆ་གོ་**གི་མི་འདུག**
I can't hear (or understand) what you are saying (lit. your talk).

The auxiliary གི་འདུག pertains to གཞན་, which expresses that it is not oneself that is in control, but that other conditions are causing the verb to happen. As seen in Lesson 6, གི་འདུག also expresses that the speaker has his/her own experience.

## Present Tense and བྱེད་མེད་ལས་ཚིག Non-Volitional Verbs

### 1. With Questions

The auxiliary pertaining to གཞན་ also needs to be kept in mind when asking somebody about a བྱེད་མེད་ལས་ཚིག (non-volitional verb).

ད་ལྟ་ཁྱེད་རང་མགོ་ན་**གི་འདུག་གས།** - ད་ལྟ་ན་**གི་མི་འདུག** ཡིན་ནའི་ཞོགས་གས་ཏོག་ཙམ་ན་སོང་།
Do you have a headache at the moment? – Now, I don't, but I had a slight one in the morning.

Asking a question with ཁྱེད་རང་ in the case of "to have" and "to be" was always followed by a ཡིན་པས།, ཡོད་པས། or མེད་པས།. So, it needs a little getting used to to the fact that here it is necessary to use the auxiliary pertaining to གཞན་ because མགོ་ན་བ་ (*to have a headache*) is a བྱེད་མེད་ལས་ཚིག (non-volitional verb).

### 2. Two Options

In combination with certain verbs, such as ཤེས་པ་ or ཧ་གོ་བ་, either of the above auxiliaries could apply. If you want to say "I do not know the way," either auxiliary will work, though they each carry a slightly different meaning:

ངས་ལམ་ཀ་ཤེས་**ཀྱི་མེད།**
I don't know the way. (generally)

ངས་ལམ་ཀ་ཤེས་**ཀྱི་མི་འདུག**
I don't know the way. (I've just realised this.)

©2023 LRZTP

The first example expresses the general fact that the speaker does not know the way. It is important to not perceive it as something intentional, even though the auxiliary pertains to བདག.

The second emphasizes that the *not knowing* is taking place right at the moment of speaking, or the speaker just realizes his/her not knowing.

**3. Habit or Volition**

| | |
|---|---|
| ང་དགུན་ཁ་རྟག་པར་ན་**གི་ཡོད།**<br>I get sick every winter. | ཡིན་ནའི་ད་ལྟ་ན་**གི་མི་འདུག**<br>But now I'm not ill. |

It is important to understand that the auxiliary here does not express intention but *habit*, something happening regularly. With བྱེད་མེད་ལས་ཚིག (non-volitional verbs) you use གི་འདུག if the action is happening now, but གི་ཡོད། if it is habitual.

This is advanced philosophy and nothing to use actively currently – but important to know in order not to be confused and misinterpret when hearing:

ང་མོ་ཊའི་ནང་ལ་སྐྱུག་པ་སྐྱུག་གི་ཡོད།
I (usually, normally) throw up in the car.

**4. Habit or Direct Knowledge**

The fact that sometimes a habit is also experienced by the speaker, raises another interesting question: if I see somebody with my own eyes every day doing an action, why wouldn't I say གི་འདུག?

ཁོང་ཉིན་མ་རྟག་པར་སྐོར་ར་རྒྱག་གི་འདུག
(S)he does *kora* every day.

If it happens just once or a few times, you would indeed use the auxiliary གི་འདུག. But whenever something is a habit or a general truth, one uses གི་ཡོད་རེད།.

The above sentence is not incorrect, probably a bit unusual, but might be used if the speaker also wants to emphasise her/his direct knowledge. The own experience would not at all be expressed if s/he said:

ཁོང་ཉིན་མ་རྟག་པར་སྐོར་ར་རྒྱག་གི་ཡོད་རེད།
(S)he does *kora* every day.

But, generally speaking, the usage of གི་འདུག is more common for an action which is taking place right now or to an action which the speaker has witnessed once or twice.

Remember the example in Lesson 2:

©2023 LRZTP

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ངའི་ | ལུང་པ་ | ལ་ | གངས་རི་ | མང་པོ་ | ཡོད་རེད། |
| my | country | in | snow mountains | many | there are. |

There are many snow mountains in my country.

Even though the speaker might have seen them many times, she/he would still say it this way.

**Additional Grammar Note:**

It is another peculiarity of the present tense that it may be used in the past if the situation requires it. What would be such a case? If we talk about something we used to do habitually in the past, we would use the present tense auxiliaries:

ང་ལོ་ཆུང་ཆུང་ཡིན་དུས་རོགས་པ་མཉམ་དུ་རྩེད་མོ་མང་པོ་རྩེ་**གི་ཡོད།**
When I was small, I used to play with my friends a lot.

**Usage of the Agentive Marker བྱེད་སྒྲ། (Review)**

As introduced in the previous lesson, the བྱེད་སྒྲ་ is generally not required in the present tense. Remember, however, that there are two exceptions to this. There are two occasions where it should be used in the present tense:

1) When there is potential confusion about who the agent and who the object is. For example:

ངས་ཁྱེད་རང་མཐོང་གི་མི་འདུག
I don’t see you.

The reason for the **potential doer-object confusion** is that the auxiliary གི་འདུག can be used for any person in the case of a non-volitional verb.

2) Where something is being **emphasized**. For example:

དེང་སང་**ངས་**སློབ་སྦྱོང་བྱེད་ཀྱི་ཡོད།
These days *I* study. Or: These days, *I* am studying.

ངའི་ཅོ་ཅོ**ས་**སྐྱིད་སྐྱིད་བྱས་ནས་བསྡད་ཀྱི་འདུག
My brother is relaxing: My brother relaxes.

དེང་སང་ངའི་དགའ་རོགས་**ཀྱིས་**ཁ་ལག་བཟོ་གི་འདུག
These days, *my boyfriend* does the cooking.

**ངས་ཁང་པ་**གཙང་མ་བཟོ་གི་ཡོད།
*I* do the house cleaning.

©2023 LRZTP

In the second last sentence, the position of ངའི་དགའ་རོགས་ཀྱིས་ next to the verb also adds to the emphasis as we saw in Lesson 3.

## THE PRESENT PERFECT

Present perfect expresses an action completed in the past with an impact or bearing in the present moment of speech. When deciding on whether to use simple past or present perfect, you cannot rely on the English but rather need to understand the concept behind the Tibetan system.

### Result

In Tibetan very strictly, present perfect is used to talk about only the *result* of an action, rather than the action itself. In many cases, the action has not been observed, but the result is now visible and can be experienced by the speaker. It is a very common mistake of beginner language students to not make that distinction clearly.

### Snowfall Example

Maybe the following example can help you to understand what this tense is all about. Imagine you are asleep, you wake up and look out of the window and it is completely white. So, in English you would probably jump up out of joy and say:
"Oh! It snowed a lot!"

Translating this into Tibetan, you would then say:

ཨོ། གངས་མང་པོ་བབས་སོང་།

This is the classic mistake. Since you were sleeping, you did not *see* the snow fall. So, you cannot use the auxiliary སོང་། as it expresses your direct knowledge. However, neither should you say:

ཨོ། གངས་མང་པོ་བབས་པ་རེད།

This is not correct either as it would entail that one does not have any direct experience of the snowfall whatsoever, and only have heard about it inferentially.

What they are actually talking about is the *result* of last night's snowfall – and this is exactly what present perfect tense is for! So, the *only* correct sentence to say in this situation is:

©2023 LRZTP

**ཚོ། གངས་མང་པོ་བབས་འདུག།**
**ཚོ། གངས་མང་པོ་བབས་བཞག།**

(The subtle difference between **འདུག།** and **བཞག།** will be discussed later, for the moment, think of them as being the same.)

**Auxiliaries**

| བདག། | གཞན། |
|---|---|
| ཡོད།<br>མེད། | Inferential<br>ཡོད་རེད།<br>ཡོད་མ་རེད། |
| | Direct<br>འདུག། བཞག།[2]<br>མི་འདུག། |

Yes, you see correctly! The auxiliaries of present tense are nothing else than "to have" – and this is of course not a coincidence. Since it expresses a result, we are saying "I have …" or "There is …" Since it is more often that we talk about a result which is *actually present* – and not one we only know of – direct knowledge is used more often.

The table is self-explanatory, but there are a few interesting things to note:

**To Have the Result**

First, the term ཡོད། illustrates that one *has* or *is endowed with* the result of the past action. For example:

ངས་ཁ་ལག་བཟོས་**ཡོད།**
I **have** made food. (Here I **have** it / Here **it is** - the result is still present).

[2] The difference between **འདུག།** and **བཞག།** is not something you should worry about. You can think of them to be synonyms at the moment. If you can, remember that **བཞག་** is only used in positive statement, not in questions and negations. So you cannot say **མི་བཞག།** or **བཞག་གས།**

©2023 LRZTP

The auxiliary ཡོད། literally means "I have" the food which I have made. This sounds very different from saying:

> ངས་ཁ་ལག་བཟོས་**པ་ཡིན།**
> I made food.

The latter sentence could mean that at any given time in the past, I made food, we ate it and it is gone – which is completely different from the above sentence.

### Absence of the Result – with Negation

Because ཡོད། means *to have / to be here*, caution is required with certain verbs. Whereas it might be correct to say "I have gone" in English, this does not necessarily apply to the Tibetan. For example, the following structure would be rarely used:

> ང་སློབ་གྲྭ་ལ་ཕྱིན་ཡོད།

Much more commonly, one would just say:

> ང་སློབ་གྲྭ་ལ་ཕྱིན་པ་ཡིན།

In Tibetan, one would not use the above auxiliary to say: *I have gone*. Why not? Because if I left, I'm no longer present – the result of the action of going is not present.

The same applies for the verb "to eat" – whereas it is common to use present perfect in English with the verb "to eat" – it is much less so in Tibetan. The classic question is:

> ཁྱེད་རང་ཁ་ལག་བཟས་པ་ཡིན་པས།
> Did you have food? Or: Have you eaten?

Rather than saying:

> ཁྱེད་རང་ཁ་ལག་བཟས་ཡོད་པས།

This is because in Tibetan, present perfect is strictly used when we talk about the result of an action – which in the case of the eaten food is no longer present.
It may apply when the result is actually important, such as:

> ངས་སྨན་བཟས་ཡོད།
> I have taken (lit. eaten) the medicine. (And I'm feeling better now as a result of it…)

However, still following the same logic, the negations *do* work. For example:

©2023 LRZTP

ང་རྒྱལ་ས་ལ་**ཕྱིན་མེད།**
I haven't gone to town. / I didn't go to town.

Maybe you have noticed in Lesson 6 that with the negation of **པ་ཡིན།** and **པ་རེད།** we (almost) always use present perfect tense.

| | |
|---|---|
| ངས་ལྟད་མོ་བལྟས་**མེད།** | I did not watch a movie. |
| ཁོང་གིས་རི་འཛེགས་**ཡོད་མ་རེད།** | (S)he did not climb the mountain. |

**Direct Versus Inferential**

Likewise, འདུག། and ཡོད་རེད།, which express direct immediate experience and inferential knowledge when used as "to be" or "to have," carry the exact same meaning when used in the Present Perfect:

ཁོང་སླེབས་**འདུག**
(S)he has arrived.

This sentence unambiguously expresses: *I have the **direct experience** of him having arrived.* Whereas, if I only know about a result of an action, I choose the inferential auxiliary:

ཁོང་ཚོ་ད་ལྟ་ཨ་རི་ལ་སླེབས་**ཡོད་མ་རེད།**
They have not reached the U.S. (by) now.

**Action or Result:**

ཁོང་གིས་དེབ་ཡག་པོ་ཅིག་ཉོས་**འདུག**
(S)he has bought a good book (and I can see it here).

In this sentence, we cannot tell for sure whether the speaker has seen the act of buying or not. It could be, but it is irrelevant. What the sentence is about is the *result* of the act of buying. If they wanted to talk about the act of buying itself, (s)he would say:

ཁོང་གིས་དེབ་ཡག་པོ་ཅིག་ཉོས་**སོང་།**
(S)he bought a book (and I saw the action).

As mentioned above, since no such distinction of evidence is made in English, this takes a little time to get used to. Remember that the second sentence would *not* be correct if you had not seen the action happen!

**Further Examples of the Present Perfect:**

ཁྱེད་རང་གིས་དེབ་དང་སྨྱུ་གུ་འཁྱེར་ཡོད་པས། ལགས་ཡོད།
Have you brought book(s) and pen(s)? Yes, I have. (volitional)

ང་ཁོང་གི་ནང་ལ་ཡུན་རིང་པོ་བསྡད་མེད།
I didn't stay at his house for long. (volitional)

ཕྲུ་གུ་ཚོས་རི་མོ་མང་པོ་བྲིས་བཞག
The children have done many drawings. (I can see the result)

ཨ་མ་ལགས་ནང་ལ་བཞུགས་འདུག་གས། བཞུགས་མི་འདུག ཁོང་ཞབས་སྐོར་ལ་ཕེབས་སོང་།
Is mother at home? (lit. has she stayed at home?) No, she isn’t at home. She went to do *kora*. (H)

ཨ་མ་མ། ཁོང་རྣམ་ཚོ་ལ་ད་དུང་ཕྱག་ལས་རག་ཡོད་མ་རེད།
Oh, they still haven't got jobs / a job. (H) (inferential knowledge)

**Some more examples of present perfect tense about familiar topics**

It is a common challenge among Tibetan language students to remember to use present perfect when they only see the *result* of an action. Below, you therefore find a little collection of such examples about familiar topics.

**སློབ་ཚན་གཉིས་པ། ང་ཚོའི་སློབ་གྲྭ།**

ཨོ། ཁྱེད་རང་གིས་བོད་སྐད་ཡག་པོ་སྦྱངས་འདུག
ཨོ། ཁྱེད་རང་གི་བོད་སྐད་ཡར་རྒྱས་ཕྱིན་བཞག
ཨོ། སློབ་ཕྲུག་དེས་ཡིག་ཚད་ཡག་པོ་ཞེ་དྲགས་བཏང་མི་འདུག
ཁྱེད་རང་གིས་རང་སྦྱོང་ཏག་ཏག་བྱས་འདུག

**སློབ་ཚན་གསུམ་པ། པར་ལ་ལྟ་བ།**

ཨོ། གླིང་གའི་ནང་ལ་དགོན་པ་རྗེག་པོ་ཅིག་བཞེངས་འདུག
ཨ་མ་མ། ཐང་ཀ་འདི་སྙིང་རྗེ་པོ་ཞེ་དྲག་བྲིས་བཞག
ཨོ། གྲོང་གསེབ་འདིའི་ནང་ལ་ལམ་ཀ་གསར་པ་མང་པོ་བཟོས་བཞག་འདུག
ཨོ། ཁྱེད་རང་གི་མོ་ཊ་དེ་སྙིང་པ་ཆགས་འདུག
ཤིང་ནགས་ནང་ལ་ཁང་པ་གསར་པ་མང་པོ་བརྒྱབ་མི་འདུག ཡིན་ནའི་ཤིང་སྡོང་མང་པོ་གཏུབས་བཞག་འདུག

**སློབ་ཚན་བཞི་པ། ངོ་སྤྲོད།**

ཨ་ཅག་བློ་བཟང་ལགས་ལ་བུ་མོ་སྙིང་རྗེ་པོ་གཅིག་སྐྱེས་བཞག

©2023 LRZTP

ཨོ། ནུབ་ཕྱོགས་ཀྱི་ལུང་པ་ཁ་ཤས་ནང་ལ་ནང་པ་མང་ཏུ་ཕྱིན་བཞག།
ཨ་ལས།  བསྟན་པ་ལགས་དང་ཉི་མ་ལགས་གཉིས་ཆང་ས་བརྒྱབ་བཞག།
ཨོ། དོན་གྲུབ་བསྟན་འཛིན་ལགས་ལ་སེམས་པ་ཤོར་བཞག།

**སློབ་ཚན་ལྔ་པ།  ཇ་འཐུང་དུས་སྐད་ཆ་བཤད་པ།**
ཇ་འདི་དངོས་གནས་ཞིམ་པོ་བཟོས་བཞག་འདུག
གསོལ་ཇ་འདི་མ་མཆོད་རོགས།  གྲང་མོ་ཆགས་བཞག།
ཁྱེད་རང་གི་ཨ་ཞང་གི་སྐྲ་དཀར་པོ་དཀར་རྒྱུང་ཆགས་འདུག
ཇའི་ནང་ལ་བྱེ་མ་ཀ་ར་བླུགས་མི་འདུག་ག
ཁ་ཟས་འདི་ཚོ་སྙིང་རྗེ་པོ་བཟོས་འདུག

**སློབ་ཚན་དྲུག་པ།  གུང་སེང་དང་དུས་ཚོད་སྟོང་པ།**
ཨོ། བཀྲ་ཤིས་ལགས་ར་བཟེ་འདུག
ཨོ། ཁོང་ཚོ་གློག་བརྙན་ལྟ་སར་སླེབས་འདུག
ཨོ། ཁོང་ཚོས་ཉོ་ཆ་མང་པོ་བརྒྱབ་བཞག།
ཨ་མ་མ། ད་དེ་རིང་ང་ཚོ་དངོས་གནས་ཕྱིས་པོ་ཆགས་བཞག།

**སློབ་ཚན་བདུན་པ། ནམ་གཤིས་ཀྱི་སྐོར།**
ཨ་མ་མ། རིའི་སྟེང་ལ་གངས་མང་པོ་བབས་འདུག
ཉི་མ་ཚ་པོ་ཤར་གྱི་འདུག་གས། མི་འདུག སྤྲིན་པ་མང་པོ་འཁྲིགས་བཞག།
སའི་སྟེང་ལ་ལོ་མ་ཚོས་གཞི་འདྲ་མི་འདྲ་ཟགས་འདུག
སྤང་གི་སྟེང་ལ་མེ་ཏོག་སྙིང་རྗེ་པོ་མང་པོ་ཤར་འདུག
མདང་དགོང་ཆར་པ་ཤུགས་ཆེན་པོ་བཏང་སོང་། ཡིན་ནའི་ད་ལྟ་ལམ་ཀ་ཡག་པོ་བསྐམས་འདུག

## Conclusion and Summary of Past and Present Tenses

In conclusion, therefore, when talking about someone else's action in the past and present and its result, there are **six** different modes to be distinguished:

1. Someone did the action and I saw it with my own eyes:
   ཁ་སང་སློབ་ཕྲུག་ཚང་མ་སླེབས་**སོང་།**
   All the students came yesterday. (I saw them coming.)
   **(Simple Past, Direct)**

2. Someone did the action and I only know inferentially that it happened:
   སློབ་ཕྲུག་ཚང་མ་སླེབས་**པ་རེད།**

©2023 LRZTP

All the students came. (I've heard, I came to know.)

**(Simple Past, Inferential)**

3. An action was done without my witnessing it, but I can see its *result* with my own eyes:
སློབ་ཕྲུག་ཚང་མ་སླེབས་**བཞག** or: སློབ་ཕྲུག་ཚང་མ་སླེབས་**འདུག**
All the students have come. (I did not see them coming but I see them now.)
**(Present Perfect, Direct)**

4. I know that someone did something and want to express that I've heard about its result:
སློབ་ཕྲུག་ཚང་མ་སླེབས་**ཡོད་རེད།**
All the students have come. (I did not see them come, but I learned of it.)
**(Present Perfect, Inferential)**

5. I *see* that somebody is doing the action at the moment of speech:
**སློབ་ཕྲུག་ཚང་མ་སླེབས་**ཀྱི་**འདུག**
All the students are arriving. (I'm on the spot and see them arrive.)
**(Present Tense, Direct)**

6. I only *know* that somebody is doing the action now, or does it habitually:
**སློབ་ཕྲུག་ཚང་མ་སླེབས་**ཀྱི་ཡོད་རེད།
All the students arrive. (I'm not witnessing their arrival but know of it.)
**(Present tense, Inferential)**

**Additional Note - For Later Reference:**

The following two topics relate to the past tense. Because of the amount of new material involved, they will be explained in detail in later lessons.

**མྱོང་ is a secondary verb used to ask somebody whether (s)he has "*ever done X.*" (Lesson 12)**

ཁྱེད་རང་བོད་ལ་འགྲོ་མྱོང་ངམ། འགྲོ་མ་མྱོང་།
Have you ever been to Tibet? No, I haven't.

**The nominalizer རྒྱུ་ is used to express "*not yet.*" (Lesson 18)**

ང་དེ་རིང་གི་ཚགས་པར་ལྟ་རྒྱུ་ཡིན།
I have not yet read today's newspaper.

**Test Yourself at the End of the Lesson:**

©2023 LRZTP

- Am I able to discuss about any present weather as well as the general climate in various places, expressing my preferences and habits about them?
- Am I able to report and ask about my own and others' current actions and people's studying, eating and daily habits, etc. actively using the particular Tibetan notions in present tense?
- Am I able to actively use present perfect tense to make a clear distinction between past actions which have been observed or not and have an impact on the present?

©2023 LRZTP